लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 16-28 फरवरी 2021 www.haryanasamvad.gov.in अंक-12

" विश्वास को हमेशा तर्क से तोलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

: महात्मा गांधी

सर्वहितकारी बजट

3

सिरसा में किन्नू की फसल के लिए अनुबंध

4

स्विट्जरलैंड की मदद से रोजगार की संभावनाएं

7

मंत्रिमंडल की बैठक

कुछ अहम प्रस्ताव पारित

विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहरलाल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक हुई जिसमें कई अहम विकास कार्यों से संबंधित योजनाओं को हरी झंडी मिल गई। बैठक में हरियाणा सार्वजनिक उपयोगिता परिवर्तन निषेध विधेयक, 2018 को वापिस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

हैफेड द्वारा राज्य के आठ जिलों में 16 स्थानों पर 2.72 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड से 113.03 करोड़ रुपए के ऋण के लिए राज्य सरकार की गारंटी प्रदान करने के सहकारिता विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई ताकि राज्य में भंडारण व्यवस्था को और मजबूती मिल सके।

इन गोदामों का निर्माण जिला फतेहाबाद के भूना, उकलाना और होबली, जिला हिसार के बरवाला व हिसार, जिला भिवानी के खोलावास व बवानीखेड़ा, जिला सिरसा के खारिया व पन्नीवाला मोटा, जिला करनाल के इंद्री, मंचुरी व निसिंग, जिला कुरुक्षेत्र के अजराना कलां व लाडवा, जिला अंबाला के नसीरपुर और जिला पलवल के सेल्वी में होगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मैकेनिकल वाहन पथकर अधिनियम-1996-विधेयक, 2021 के अनुभाग 7, 2 के प्रावधान में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई है।

संशोधन के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, जो धारा 4 के तहत किए गए आदेश के अधीन पथकरों की मांग, संग्रहण करने या रखने के लिए प्राधिकृत किया जाता है वह पुलों, सुरंगों, नौघाटों, संपर्क मार्ग या नई सड़कों के भाग या बाईपास सहित सड़क, सड़क अवसंरचना के रख-रखाव, जैसी भी स्थिति हो, जिनके संबंध में आदेश किया जाता है, को बेहतर यातायात स्थिति में बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा।

हरियाणा सरकार ने हरियाणा राज्य के अतिरिक्त पारस्परिक सामान्य परिवहन समझौते के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र राज्यों द्वारा जारी अनुबंध कैरिज परमिटों के अनुसार हरियाणा राज्य के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संचालित ऑटो रिक्शा/टैक्सियों को मोटर वाहन कर में छूट देने का निर्णय लिया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिना रुके मोटर कैब और ऑटो रिक्शा की निर्बाध यात्रा हो सकेगी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आम जनता को बेहतर और कुशल परिवहन सेवाएं मिलेंगी।

वर्तमान में हरियाणा में पंजीकृत ऑटो रिक्शा/टैक्सियों जिनके पास पारस्परिक परिवहन समझौते के तहत कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट है, उनको राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सम्मिलित राज्यों में हरियाणा के अतिरिक्त यानी उत्तर-प्रदेश, राजस्थान और एनसीटी, दिल्ली में प्रवेश और संचालन करते समय कर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।

इस निर्णय का उद्देश्य पारस्परिक सामान्य परिवहन समझौते के तहत हरियाणा राज्य के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र राज्यों के द्वारा जारी अनुबंध परमिटों के अनुसार हरियाणा के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संचालित ऑटो रिक्शा/टैक्सियों को मोटर वाहन कर में छूट प्रदान करना है।

इसलिए अब हरियाणा राज्य के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र राज्यों के द्वारा जारी अनुबंध परमिटों के अनुसार हरियाणा के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रवेश, संचालित ऑटो रिक्शा/टैक्सियों से कोई मोटर वाहन कर नहीं लिया जाएगा।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सेवा का अवसर

मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी नियम, 2018 को हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी ग्रुप ए, बी और सी सेवा नियम-2021 से बदलने के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम-2021 लागू होने से राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक अलग काडर बनाया जाएगा। इसके लिए ग्रुप-ए उप-निदेशक के 50 पद, ग्रुप-बी सीनियर कोच के 100 पद, ग्रुप-बी कोच के 150 पद और ग्रुप-सी जूनियर कोच के 250 पद स्वीकृत करवाए गए हैं।

ऊपरी आयु सीमा भी 50 वर्ष से घटाकर 42 वर्ष की गई है। इसके अलावा, नए नियमों में कुछ नए टूर्नामेंटों जैसे कि दक्षिण एशियाई खेल, राष्ट्रीय खेल, रणजी ट्रॉफी आदि को शामिल किया गया है।

यदि उत्कृष्ट खिलाड़ियों के पास प्रारंभिक नियुक्ति के समय उस पद के लिए अपेक्षित योग्यताएं नहीं हैं तो उन्हें अंतरिम नियुक्ति दी जाएगी। अपेक्षित योग्यता अर्जित करने के लिए अपेक्षित निर्धारित अवधि के अलावा उन्हें दो वर्ष अतिरिक्त दिए जाएंगे।

उत्कृष्ट खिलाड़ी अपनी खेल उपलब्धियों के दस वर्ष के भीतर या 42 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। इन नियमों के तहत नियुक्त उत्कृष्ट खिलाड़ियों की पदोन्नतियों के लिए प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिता, विशेष रूप से पैरालिम्पिक, एशियन पैरा गेम्स, कॉमनवैल्थ पैरा गेम्स, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स, साउथ एशियन गेम्स और चार वर्षीय ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के आधार पर मासिक वजीफा देने का भी प्रावधान किया गया है जिसके लिए अलग से अधिसूचना जारी की जाएगी।

कुटीर उद्योगों को मिलेगा बड़ा बाज़ार

कुटीर उद्योगों के लिए अच्छी ख़बर है। इनमें तैयार होने वाले उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार उपलब्ध हो सकेंगे। लघु व मंझले उद्योगों के सामने अभी तक यह समस्या रही है कि उनको अपने उत्पाद बेचने के लिए बड़े बाजार नहीं मिल पाते थे। इसके व्यापक प्रचार प्रसार के लिए मार्केटिंग कंपनियों की शरण में जाना पड़ता रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में अनेक ऐसे कुशल कारीगर, समूह व अन्य इकाइयां है जो गुणवत्ता युक्त उत्पाद बना तो लेते हैं लेकिन उन्हें बेच नहीं पाते। विपणन के अभाव से बहुत सी इकाइयां बंद भी होती रही हैं।

हरियाणा के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) विभाग द्वारा तीन ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ इस संबंध में एमओयू हस्ताक्षर हुए है। इनमें ई-कॉमर्स के क्षेत्र में जानी-मानी कंपनी 'ई.बे', 'पॉवर-टू-एसएमई', 'ट्रेड इंडिया डॉट कॉम' हैं।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के कार्यालय में एमएसएमई के महानिदेशक श्री विकास गुप्ता व कंपनियों के प्रतिनिधियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एमएसएमई विभाग द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तीन ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर होने से प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के अलावा हुनरमंद कारीगरों को भी बढ़ावा मिल सकेगा। प्रदेश के छोटे उद्योगों के उत्पाद अब विश्व के किसी भी कोने में खरीदे जा सकेंगे। इससे निर्यात में बढ़ोतरी होगी।

राज्य सरकार का मुख्य फोकस प्रदेश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, समावेशी और संतुलित क्षेत्रीय विकास की ओर है। योजना सिरे चढ़ने के बाद दूरदराज के हिस्सों में रहने वाले पारंपरिक कारीगरों की पहुंच सीमित नहीं रहेगी। बि्री बढ़ेगी और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से अच्छी आमदनी होगी। राज्य सरकार के इस प्रयास से नए उद्यमियों के लिए भी अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार ने बताया कि एमएसएमई किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते जा रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश की 2 लाख से अधिक एमएसएमई के वर्तमान पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में एमएसएमई के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह नए और रणनीतिक तरीके अपनाए। ई-कॉमर्स में एमएसएमई को नई मार्केट तक पहुंचाने की क्षमता है।

एमएसएमई विभाग के महानिदेशक श्री विकास गुप्ता ने कहा कि एमएसएमई निदेशालय अपने उद्यमियों की हरसंभव सहायता कर रहा है ताकि उद्यमी अपने उद्यम से जहां अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकें वहीं अधिक से अधिक युवाओं को रोज़गार दे सकें।

समझौता हस्ताक्षर होने के बाद ये ई-कॉमर्स कंपनियां उद्यमियों को ई-कॉमर्स के लाभ की जानकारी देने, उनके उत्पादों को ऑनलाइन सूचीबद्ध करने के लिए हरियाणा के सभी जिलों में प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित करेंगी।

एमओयू पर हस्ताक्षर के समय 'ई.बे' कंपनी के इंडिया कंट्री मैनेजर विदमय नैनी ऑनलाइन उपस्थित थे तथा 'पॉवर-टू-एसएमई' की सीनियर वाईस प्रेजीडेंट सुधा सरीन तथा 'ट्रेड इंडिया डॉट कॉम' के चीफ रिवेन्यू ऑफिसर जिल-ए-इलाही समेत अन्य अधिकारी चंडीगढ़ कार्यालय में मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इस योजना से हरियाणा के एमएसएमई उत्पादों को ग्लोबल मार्केट मिलेगी, साथ ही राज्य के पारम्परिक हथकरघा उत्पाद तैयार करने वाले कारीगरों को भी अपने हुनर की वाजिब कीमत मिल सकेगी।

मनोज प्रभाकर

संपादकीय

रचनात्मक माहौल

प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र अगले माह सदन में प्रस्तुत होने जा रहा है। बजट सत्र इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इससे जहां एक ओर विभिन्न विभागों का लेखा जोखा सदन के पटल पर रखा जाता है, वहीं आगामी वित्त वर्ष की विकास योजनाओं के नए संकल्प भी प्रस्तुत होते हैं। गत वर्ष की विकास योजनाओं के नए संकल्प भी प्रस्तुत किए जाते हैं। गत वर्ष कोरोना-काल ने देश के हर राज्य के वित प्रबंधन को झटके दिये हैं, लेकिन हरियाणा इस मामले में अपेक्षाकृत भाग्यशाली रहा है। इसका विकास और नव निर्माण तयशुदा पटरी पर अबाध गति से चलता रहा है। प्रदेश में कानून व्यवस्था और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा तंत्र भी पूरी तरह नियंत्रण में रहा है।

किसानों के आंदोलन का एक भाग यद्यपि प्रदेश की सीमा से चला, लेकिन इसके बावजूद कही अप्रिय घटना नहीं हुई और आंदोलन संयमित बना रहा। पड़ोसी राज्यों में कहीं-कहीं अशांति बनी रही, लेकिन हरियाणा राजनैतिक और प्रशासनिक मुस्तैदी के कारण स्थितियों को नियंत्रित रखने में सफल रहा। इसका एक कारण, संवाद का माहौल बनाए रखना भी था। इसी माह कई स्थानों पर सार्वजनिक समारोह भी हुए, जो पूर्वक्त सामान्य माहौल में ही संपन्न हुए। पड़ोसी उत्तरांचल में हुई प्राकृतिक आपदा में भी राज्य सरकार ने अपने नैतिक दायित्व और संवेदनशीलता का परिचय दिया। कुल मिला राज्य में नवनिर्माण व नव विकास में गतिशीलता बनी रही। इसी माह साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम पूर्वक्त जारी रहे और शृंखला कहीं भी बाधित नहीं हुई।

इसी माह प्रदेश के एक साहित्यमनीषी को इस बार पद्मश्री मिला। कुरुक्षेत्र के प्रख्यात हिन्दी विद्वान डॉ. जयभगवान गोयल को पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा हुई। डॉ. गोयल द्वारा संत-साहित्य और सिख-गुरुओं के अध्यात्म दर्शन पर दिया गया लेखन कार्य, पूरे देश में चर्चा का विषय बना रहा है।

इधर सरस्वती महोत्सव की तैयारियां भी जोरों पर हैं, यद्यपि सरस्वति-परियोजना के मुख्य प्रेरक दर्शनलाल जैन का निधन एक अपूर्णिय क्षति माना गया। श्री जैन ने सबसे पहले इस तीर्थ स्थल के विकास की दशा में जग-जागृति का बीड़ा उठाया था। विलक्षण उपलब्धियों पर उन्हें भी कुछ वर्ष पूर्व 'पद्म-अलंकार' से सम्मानित क्या गया था।

- डा. चंद्र त्रिखा

वीटा व हैफेड के बूथों पर बिकेगा 'अपना उत्पाद'

दीनदयाल अंत्योदय योजना-हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गरीब, जरूरतमंद महिलाओं को जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा और इन महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए घरौंडा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जाएगा।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बेहतर गुणवत्ता का सामान बनाएंगी तो उनके सामान को वीटा व हैफेड के बूथों पर बेचने की अनुमति दी जाएगी, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हो सकेगी। वहीं जो स्वयं सहायता समूह बेहतर कार्य करता है और उसकी आय बहुत कम है, ऐसे समूह को डिपो होल्डर की सेवाएं देने के लिए विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने करनाल में हरियाणा आजीविका मिशन द्वारा आयोजित ऋण वितरण कार्यक्रम में जिले के 8 खंडों के 933 समूहों की महिलाओं को 16 करोड़ 55 लाख रुपए के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने आस-पास ऐसी दो गरीब महिलाओं को अपने ग्रुप में जोड़े जिनकी आर्थिक आय बहुत कमजोर है। इससे जिले में चल रहे करीब 4 हजार ग्रुपों में 800 की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इस प्रयास से 800 महिलाओं का जीवन यापन बेहतर हो सकेगा।

जिले में करीब 4 हजार सेल्फ हेल्प ग्रुप का गठन हो चुका है, जिनमें सबसे अधिक 800 घरौंडा खंड में है। करनाल में 2015 में सेल्फ हेल्प ग्रुप की शुरुआत की गई थी, 31 मार्च 2020 तक 45 करोड़ 67 लाख रुपए ऋण के रूप में वितरित किए गए।

सभी के लिए ज़रूरी 'परिवार पहचान पत्र'

'परिवार पहचान पत्र' हरियाणा राज्य में रहने वाले हर परिवार की पहचान है। इसमें परिवार की मौलिक जानकारी का संग्रह डिजिटल रूप में किया गया है। 'परिवार पहचान पत्र' एक ऐसी पहचान है, जिसके बनने के बाद अन्य आईडी की जरूरत नहीं रहेगी। पत्र में दी जाने वाली जानकारी परिवार द्वारा अपनी इच्छा से दी गई जानकारी होती है। इसके माध्यम से परिवार को सरकार द्वारा दी जाने वाले वे सभी लाभ, सेवाएं और जनकल्याण की योजनाओं के लाभ दिए जाएंगे, जिनका वह पात्र है। परिवार पहचान पत्र का मुख्य उद्देश्य हरियाणा राज्य में सभी परिवारों का एक प्रमाणिक सत्यापित और विश्वसनीय डेटाबेस तैयार करना है। नागरिकों से आह्वान किया जाता है कि वे अपने परिवार पहचान पत्र को शीघ्र अपडेट करवाएं।

डेटाबेस तैयार होने के बाद परिवारों को हर योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। साथ ही सरकार योजनाओं के क्रियान्वयन को सरल और पारदर्शी बनाकर परिवारों को सीधे लाभ प्रदान करने में सक्षम बनेगी। 'परिवार पहचान पत्र' का डेटाबेस प्रमाणित और सत्यापित होने के बाद लाभार्थी को सत्यापन के लिए कोई भी दस्तावेज जमा कराने की जरूरत नहीं रहेगी। इस पहचान पत्र के साथ सभी वर्तमान योजनाओं जैसे की छात्रवृत्ति, सब्सिडी और पेंशनर को जोड़ा जाएगा ताकि संगति और विश्वसनीयता बनी रहे।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक, मनोज चौहान
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र आगामी 5 मार्च, 2021 को दोपहर 2 बजे शुरू होगा। मुख्यमंत्री मनोहरलाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

सरकार द्वारा 'परिवार पहचान पत्र' के साथ सभी सरकारी सेवाओं को जोड़ दिया गया है और हर परिवार के पास फैमिली आईडी होना अनिवार्य कर दिया गया है।

सर्वहितकारी बजट

स्वास्थ्य बजट में ख़ास बढ़ोतरी

केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य के लिए 137 प्रतिशत वृद्धि करने तथा आत्मनिर्भर भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कोरोना काल से उभरने के बाद केंद्र सरकार के आम बजट में स्वास्थ्य के लिए गत वर्ष आबंटित किए गए 94 हजार करोड़ की तुलना में इस बार बढ़ाकर 2.23 लाख करोड़ करना सराहनीय कार्य है। इस बजट से देश के गरीब, मजदूर, किसान तथा बुजुर्गों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, उद्योग, अनुसंधान, आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों का समावेशी विकास होगा।

-अनिल विज, गृह, स्वास्थ्य एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री, हरियाणा

संवाद ब्यूरो

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में वर्ष 2021-22 के लिए प्रस्तुत किया गया आम बजट एक संतुलित बजट है। यह बजट प्रदेश के लोगों के जीवन को बेहतर बनाएगा क्योंकि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की नीति पर आधारित है। स्वास्थ्य और कल्याण, भौतिक और वित्तीय पूंजी एवं अवसंरचना, न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन, मानव पूंजी में नवजीवन का संचार, नवप्रवर्तन और अनुसंधान एवं विकास, आकांक्षी भारत के लिए समावेशी विकास जैसे छह मुख्य स्तंभ पर खड़ा यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने वाला है।

महिलाओं के लिए

- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बजट में 16.31 फीसद की बढ़ोतरी की गई है, जिससे निश्चित तौर पर महिलाओं एवं बच्चों के विकास और कल्याण की दिशा में बदलाव आएगा।
- महिलाओं को सभी शिफ्ट में काम करने तथा पर्याप्त सुरक्षा के साथ रात की शिफ्ट में काम करने जैसी घोषणाएं की गई हैं।
- बजट में महिलाओं के जीवन को आसान करने के लिए उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, शुद्ध जल और अवसरों की समानता पर विशेष बल दिया गया है।

100 नए सैनिक स्कूल

देश की सेनाओं में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है। प्रदेश की युवा पीढ़ी में देश की रक्षा के प्रति जज़्बा है। केंद्रीय बजट 2021-22 में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की घोषणा की है। सैनिक स्कूल स्थापित होने से युवाओं को यहां पर देश की रक्षा सेवाओं में अधिकारियों के रूप में नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाता है, ताकि रक्षा सेवाओं में भर्ती होकर युवाओं का राष्ट्र की सेवा करने का सपना पूरा हो सके।

> सरकार का बजट काफी संतुलित है। सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अच्छे कदम उठाए हैं। सरकार ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की है। इससे नए उद्योग शहर में आएंगे।
>
> भीम राणा , प्रधान डायर्स एसोसिएशन

टैक्सटाइल पार्क बदलेगा पानीपत की तस्वीर

सरकार ने टैक्सटाइल व्यापार को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 60 पार्क बनाने की बात कही है जिनमें एक पार्क पानीपत में बनेगा। इससे टैक्सटाइल उद्यमी काफी खुश हैं। पानीपत के 90 प्रतिशत उद्योग एमएसएमई के अंतर्गत आते हैं। सरकार ने टैक्सटाइल उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 15,700 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है। बजट में नए उद्योग लगाने पर सब्सिडी देने का भी ऐलान किया है, सब्सिडी अलग अलग उद्योगों को अलग अलग शर्तों पर दी जाएगी। सरकार ने टैक्सटाइल को बढ़ावा देने के लिए 7 नए क्लस्टर बनाने और उद्योगों को बेहतर सड़कों की सुविधा देने पर बल दिया है। माल को निर्यात करने के लिए सरकार ने ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नई मालगाड़ी सेवाएं शुरू करने जैसी महत्त्वपूर्ण सेवाओं को बजट में शामिल किया है। सरकार ने उद्यमियों की मांगों को देखते हुए कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी 10 प्रतिशत लगा दी है।

पार्क में उद्योगों को बिजली, पानी और सीवरेज जैसी सुविधाएं देने के लिए अलग से अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर देना होगा। टैक्सटाइल पार्क में उत्पादों का एग्जीबिशन भी लगेगा। शहर के अंदर चल रहे करीब चार हजार उद्योगों को पार्क में सस्ती दरों पर जमीन आवंटित होने का अनुमान है।

> एमएसएमई के अंतर्गत आने वाले उद्योगों के लिए बहुत अच्छा है। सरकार ने टैक्सटाइल पार्क बनाने की बात भी कही है। इससे उद्योगों को रफ्तार मिलेगी। ये काफी अच्छा है। बजट संतुलित है।
>
> विनोद खंडेलवाल, चेयरमैन, चैंबर ऑफ कॉमर्स

हैल्थ वैलनेस सेंटर

प्रदेश के 15 जिलों में 600 हैल्थ वैलनेस सेंटर स्थापित होने हैं। केंद्रीय बजट के मुताबिक उम्मीद है आने वाले दिनों में ये सेंटर चालू हालात में होंगे और प्रदेश के लोगों को चिकित्सा सेवाएं और सहजता से उपलब्ध हो सकेंगी।

हैल्थ सेक्टर को समृद्ध करने के लिए केंद्रीय बजट में 135 फीसद का इजाफा (94 हजार से 2.38 लाख करोड़) हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र में 75 हजार हैल्थ सेंटर की घोषणा हो चुकी है जिनमें से हरियाणा प्रदेश में 600 हैल्थ वैलनेस सेंटर तैयार होने हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के निदेशक प्रभजोत सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के सब सेंटरों को अपग्रेड किया जा रहा है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी बीएंडआर की ओर से लगातार कार्य किया जा रहा है। 50 प्रतिशत से अधिक केंद्रों के भवन तैयार हो चुके हैं। उम्मीद है बजट आने के बाद उसमें ढांचागत विकास होगा और चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्तियां होंगी।

केंद्रों की संख्या

जिला अंबाला में इन सेंटरों की संख्या 6, गुरुग्राम में 14, हिसार में 80, झज्जर में 70, जींद में 90, करनाल में 20, कुरुक्षेत्र में 50, नूंह मेवात में 3, नारनौल में 80, पलवल में 30, पंचकूला में 2, पानीपत में 40, सिरसा में 30, सोनीपत में 80 व यमुनानगर में 5 है।

केंद्रों में नियुक्ति

हैल्थ वैलनेस सेंटर में आयुष विभाग के एक मेडिकल ऑफिसर, दो स्टाफ नर्स, एक फार्मासिस्ट, एक लैब टेक्निशियन, एक एएनएम व एक बहु उद्देश्यीय कर्मचारी की नियुक्ति की जाएगी।

एनसीआर के विकास का फायदा

केंद्रीय बजट में एनसीआर क्षेत्र के विकास पर पूरा ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विकास का सबसे अधिक फायदा हरियाणा को होगा।

हरियाणा का 57 फीसद क्षेत्र एनसीआर का हिस्सा है। इसमें झज्जर, पलवल, सोनीपत, पानीपत, रोहतक, गुरुग्राम, नूंह, रेवाड़ी, भिवानी, महेंद्रगढ़,फरीदाबाद, करनाल और जींद जिला शामिल हैं।

केंद्रीय बजट 2021-22 बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि व किसान कल्याण से अलग इस बार शहरों के लिए जरूरी सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया गया है। मेट्रो रेल लाइन विस्तार, पीपीपी माडल पर सिटी बस सेवा देने से लेकर शहरों में प्रदूषण नियंत्रण की योजनाओं का सबसे अधिक फायदा हरियाणा को मिलेगा।

मेट्रो रेल सेवा झज्जर, फरीदाबाद और गुरुग्राम जिला में हैं। अब केंद्रीय बजट प्रावधान के बाद इन सेवाओं का विस्तार एनसीआर में शामिल अन्य जिलों में भी किया जा सकता है। पिछले पांच साल से दिल्ली के नजदीक शहर फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर व सोनीपत में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या के चलते शहरीकरण के विस्तार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था मगर अब सरकार ने वायु प्रदूषण रोकने के लिए इस बजट में विशेष प्रावधान किया है।

किफायती मकानों की योजना का असर सबसे ज्यादा एनसीआर में देखा जा रहा है। आने वाले समय में यह निश्चित है कि हरियाणा में रीयल इस्टेट सेक्टर भी मजबूत होगा।

आमदनी बढ़ेगी

केंद्रीय बजट में पेट्रोल-डीजल पर लगाए गए क्रमशः 2.5 रुपए और चार रुपए प्रति लिटर सेस से किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए ग्राउंड तैयार किया गया है। हरियाणा में प्रतिदिन डेढ़ करोड़ लिटर डीजल और 50 लाख लिटर पेट्रोल की बिक्री होती है। ऐसे में प्रदेश से किसानों के लिए प्रतिदिन करीब 7.25 करोड़ रुपए की राशि एकत्रित होगी। यह राशि किसानों से जुड़ी योजनाओं पर खर्च होगी।

फिलहाल प्रदेश की सभी बड़ी अनाज मंडियों में ई-मंडी योजना शुरू हो चुकी है। छोटी मंडियों तक इसे पहुंचाया जाएगा। इससे देश के किसी भी कोने में बैठा व्यापारी फसल खरीद सकेगा। प्रदेश की 81 मंडियों में 14 अप्रैल 2016 से 31 जनवरी 2021 तक एपीएमसी योजना द्वारा 1,646.36 लाख क्विंटल उत्पादों की बिक्री हुई है। इससे 44,510.09 करोड़ का लेन-देन हुआ है।

सरकार द्वारा प्रदेश की सभी गौशालाओं में सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिए हरियाणा गौसेवा आयोग ने हरेड़ा से अनुबंध कर लिया है। सभी गौशालाओं में गायों की संख्या के आधार पर गोबर गैस प्लांट भी लगाए जाएंगे।

हरियाणा में साल 2020 में न केवल सड़क हादसों में कमी आई, बल्कि दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या भी कम हुई। राज्य में विगत वर्ष 9,431 सड़क दुर्घटनाएं हुई जो वर्ष 2019 में दर्ज़ हादसों की तुलना में 13.82 प्रतिशत कम हैं।

खेती-किसानी के लिए समुचित कदम

आम बजट में आत्मनिर्भरता का ध्येय निहित है। इस बार के बजट में कोरोना महामारी के बाद किसानों के विकास और उनकी आय को दोगुनी करने की दिशा में समुचित कदम उठाए गए हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए केंद्रीय बजट में कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। इस बार बजट में किसानों को 16.5 लाख करोड़ रुपए कृषि ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। पिछली बार यह लक्ष्य 15 लाख करोड़ रुपए था। साथ ही, किसानों को 75,000 करोड़ रुपए अधिक दिए गए हैं। इसी तरह, किसानों को सभी फसलों पर उत्पादन लागत की कम से कम 1.5 गुना अधिक एमएसपी दी जा रही है। किसानों को किए जाने वाले भुगतान में भी तेजी आई है। निश्चित ही सरकार के इन प्रयासों से किसानों की स्थिति मजबूत होगी। वित्त वर्ष 2013-14 में गेहूं का भुगतान 33,874 करोड़ रुपये किया गया, जो 2019-20 में बढ़कर 62,802 करोड़ हो गया था। वर्तमान में 2020-21 में 75,060 करोड़ रुपए भुगतान किए जाने का प्रावधान है, जो बीते वर्ष के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2013-14 में दालों का भुगतान 236 करोड़ रुपए था जो 2019-20 में बढ़कर 8,285 करोड़ हो गया। वर्तमान में 2020-21 में 10,530 करोड़ रुपए भुगतान किए जाने का प्रावधान है, जो पिछले वित्तीय वर्षों के मुकाबले 40 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, 2013-14 में धान के लिए 63,928 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया जो 2019-20 में बढ़कर 1,41,930 करोड़ रुपए हो गया। वर्तमान में 1,72,752 करोड़ रुपए भुगतान किए जाने का प्रावधान है। यह पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, सरकार कृषि उत्पादों के निर्यात में 22 अन्य उत्पादों को भी शामिल करेगी।

सरकार ने 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करने के लिए बजट में एक 16 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है। इन योजनाओं के लिए 2.83 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

कुछ कार्य योजना

» 'प्रधानमंत्री कुसुम योजना' के तहत किसानों के पंपों को सौर पंप से जोड़ा जाएगा। इससे 20 लाख किसान लाभान्वित होंगे। साथ ही, 15 लाख किसानों के पंपों को 'ग्रिड कनेक्टेड पंपसेट' से जोड़ा जाएगा। बंजर भूमि पर सौर पंप भी लगाए जाएंगे।

» दूध, मांस, मछली सहित तमाम चीजों को खराब होने से बचाने के लिए रेफ्रिजेरेशन रिंग और इसके लिए सरकार किसान रेल चलाएगी।

» नीली अर्थव्यवस्था के तहत 2022-23 तक मछली उत्पादन को 200 मिलियन टन करने का लक्ष्य है। 2024-25 तक मछली निर्यात एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सके, इसके लिए 3,077 'सागर मित्र' बनाए जाएंगे, जिससे तटवर्ती इलाकों के युवाओं को रोजगार मिलेगा।

» उर्वरक के संतुलित इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।

» 'कृषि उड़ान योजना' शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर इसकी शुरुआत होगी।

» बागवानी को बढ़ावा देने के लिए 'एक उत्पाद, एक जिला' योजना के तहत जिलों में एक उत्पाद पर जोर दिया जाएगा।

» 2025 तक दूध उत्पादन दोगुना करने के लिए योजना चलाई जाएगी। दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता 108 मिलियन टन करने का लक्ष्य।

» 'किसान क्रेडिट कार्ड योजना' को 2021 तक बढ़ाया जाएगा। किसानों को कर्ज देने के लिए 15 लाख करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे। 'दीन दयाल योजना' के तहत किसानों को दी जाने वाली मदद बढ़ाई जाएगी।

» जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। पोर्टल, ऑनलाइन बाजार को मजबूत बनाया जाएगा। चारागाहों को मनरेगा से जोड़ा जाएगा।

» मवेशियों के खुर एवं मुंह में होने वाली बीमारी, ब्रूसेलोसिस और भेड़-बकरियों में होने वाली पीपीआर को 2025 तक समाप्त किया जाएगा।

» 'दीनदयाल अंत्योदय योजना' के तहत गरीबी उन्मूलन के लिए 58 लाख एसएचजी बनाए गए तथा 0.5 करोड़ परिवारों को इससे जोड़ा गया।

सुरेंद्र बांसल

बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने की कवायद

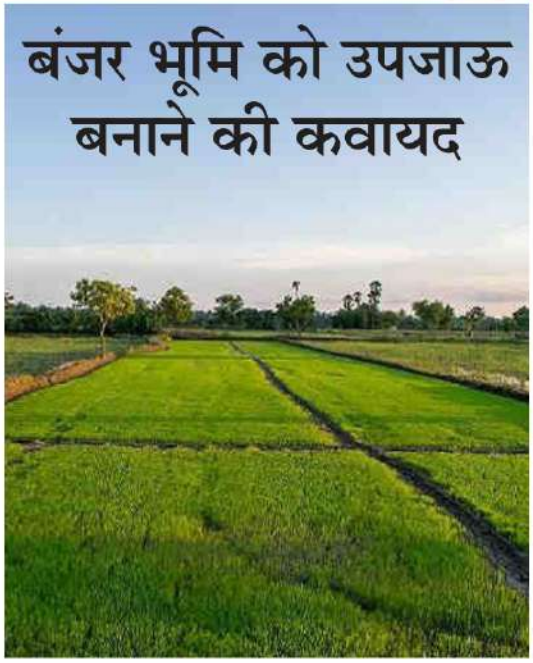

प्रदेश की बंजर भूमि में फसलें लहलाएंगी। लगता तो यह सपना-सा है लेकिन प्रदेश भर में 3.15 लाख हैक्टेयर से अधिक बंजर पड़े रकबे को उपजाऊ बनाने के लिए राज्य सरकार ने कवायद शुरू कर दी है। इस जमीन में भी गेहूं, सरसों, धान व गन्ने की फसल की अच्छी पैदावार हो सकेगी।

कृषि तथा किसान कल्याण विभाग ने प्रदेश में बंजर पड़ी करीब 3.15 लाख हैक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जा रहा है जिसे इसी महीने खोला जाएगा, जिसमें किसान अपनी जमीन की डिटेल भर सकेंगे। इसके लिए एक माह का समय दिया गया है। उसके बाद एक मार्च से जमीन को उपजाऊ बनाने की पॉलिसी तैयार होगी। जमीन उपजाऊ हो जाती है तो हरियाणा में खाद्यान्न की कमी नहीं रहेगी। नई पालिसी के तहत सरकार किसानों के साथ मिलकर काम करना चाहती है। विभाग व केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक इसको लेकर बैठक कर चुके हैं।

प्रदेश में बंजर जमीन के सुधारीकरण की दिशा में काम तो पहले से भी चल रहा था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रदेश सरकार ने इसे नए सिरे से काम करने का फैसला लिया है। हरियाणा कृषि विभाग इस दिशा में काम कर रहा था। जमीन के सुधारीकरण को लेकर विभाग का लक्ष्य हर वर्ष 1,500 हैक्टेयर का लक्ष्य था, लेकिन इसके मुकाबले औसत महज 700 से 800 से ही आ रही थी।

सीएसएसआरआइ के मुताबिक हरियाणा में जितनी बंजर जमीन पड़ी है, यदि वह उपजाऊ हो जाए तो 1.5 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हर साल हो सकता है। इसकी कीमत औसत एक हजार करोड़ रुपए बनती है। इस समय प्रदेश में कुल 44 लाख हैक्टेयर भूमि है, जिसमें से 39 लाख हैक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि है। बाकी लवणीय व क्षारीय भूमि है। इसके सुधार के लिए सरकार ने पहल की है।

सिरसा में किन्नू की फसल के लिए अनुबंध

हरियाणा के लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (स्फैक) ने निजी कंपनियों के साथ सिरसा जिले के किसानों की 700 मीट्रिक टन किन्नू की फसल की खरीद हेतु इस वर्ष के लिए अनुबंध कराया है। इसके लिए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन किया जा रहा है ताकि किसान समूह बनाकर अपनी फसल के अच्छे दाम प्राप्त कर सकें।

कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल हरियाणा ने बताया कि अब तक राज्य में कुल 486 किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ) का गठन करते हुए इन्हें कम्पनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत पंजीकृत करवाया जा चुका है। इन किसान उत्पादक संगठनों के साथ 76,000 से भी अधिक किसानों को जोड़ा जा चुका है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा हाल ही में घोषित नई एफ.पी.ओ. नीति 2020 के अंतर्गत वर्ष 2021-22 तक एफ.पी.ओ गठन के लक्ष्य को 1,000 तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि इन नए एफ.पी.ओ का गठन राज्य में क्लस्टर निर्माण के आधार पर किया जायेगा।

कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री देवेंद्र सिंह ने बताया कि जहां किसान उत्पादक संगठन बनाकर किसानों को एक साथ खेती करने के लिए तैयार किया जाता है, वहीं लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (स्फैक) का उद्देश्य उनकी फसल का उचित भाव किसान उत्पादक संगठनों को दिलाना है। स्फैक का किसानों को खाद, बीज सस्ती दरों पर उपलब्ध करवाने का प्रयास रहता है।

उन्होंने बताया कि 15 एफ.पी.ओ. के प्रोजेक्टों पर कार्य निरंतर जारी है। इन प्रोजेक्टों पर 45.64 करोड़ रुपए का अनुदान जारी करने का अनुमान है। इन प्रोजेक्टों की स्थापना के उपरांत राज्य के बागवानी किसान अपने उत्पादन की अच्छी प्रकार से ग्रेडिंग, पैकिंग व मूल्य संवर्धन उपरांत अपने एफ.पी.ओ. के माध्यम से देश में भिन्न-भिन्न स्थानों एवं व्यापारियों को फसल बेचकर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे।

सिलीगुड़ी से आपूर्ति की शुरूआत

स्फैक के एमडी डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने बताया कि लघु कृषक कृषि व्यापार संघ ने आल फ्रैश सप्लाई मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, दिल्ली के साथ देश के विभिन्न भागों में किन्नू की आपूर्ति हेतु एम.ओ.यू साइन करवाया है। यह कंपनी एफ.पी.ओ से 100 मीट्रिक टन किन्नू की खरीद करेगा। इसकी शुरुआत सिलीगुड़ी से आई मांग की पूर्ति के लिए की जा रही है। इसी तरह दिल्ली एवं विभिन्न शहरों की आपूर्ति के लिए बी.एन. इंटरनेशनल कंपनी से 200 मीट्रिक टन किन्नू की खरीद हेतु एम.ओ.यू किया गया है। फ्रैश प्रोड्यूज वैल्यू क्रिएशन प्राइवेट लिमिटड कंपनी से मुंबई एवं विभिन्न शहरों में किन्नू की मांग को पूरा करने हेतु एफ.पी.ओ से 100 मीट्रिक टन किन्नू की खरीद की जाएगी।

पंजाब से भी होगी आपूर्ति

पंजाब से विभिन्न शहरों में किन्नू की आपूर्ति हेतु युनिकलिफ ऐग्री बिजनिज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एम.ओ.यू हुआ है। यह कंपनी एफ.पी.ओ से 200 मीट्रिक टन किन्नू की खरीद करेगी। रोशन लाल एंड कंपनी के साथ 100 मीट्रिक टन की किन्नू की खरीद के लिए एम.ओ.यू. किया गया है। यहीं नहीं एफ.पी.ओ ने 25 मीट्रिक टन किन्नू सिलीगुड़ी एवं अहमदाबाद भेजा है।

स्ट्राबेरी के पौधे अमेरिका से

लघु कृषक कृषि व्यापार संघ ने हिसार से 10 टन स्ट्राबेरी की फसल का भी फ्रैश प्रोड्यूज वैल्यू क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से एम.ओ.यू. कराया है। इसके साथ ही किसानों के लिए अगले वर्ष के लिए उच्च गुणवत्ता के 50 हजार स्ट्राबेरी के पौधे अमेरिका से मंगवाए जा रहे है।

संवाद ब्यूरो

हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथोरिटी (हरेरा) गुरुग्राम ने नियमों का उल्लंघन कर निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2.25 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है।

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि कोविड-19 वैक्सिनेशन में राज्य ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके शुरुआती दौर में करीब दो लाख हेल्थ केयर वर्कर्स का टीकाकरण किया जाना है।

वेयर हाउस बनाएगा नए गोदाम

गोदामों में अनाज खराब न हो इसके लिए राज्य सरकार ने कुछ अहम कदम उठाए हैं। इस कार्य में वेयरहाउस कार्पोरेशन ने कवायद शुरू की है।

कार्पोरेशन की ओर से 11 नए गोदाम बनाए जाएंगे, जिनकी क्षमता 5 लाख मीट्रिक टन होगी। इसी वर्ष अंतिम माह में इनमें अनाज को स्टोर करने का कार्य भी शुरू हो जाएगा। अनाज चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

कार्पोरेशन के चेयरमैन तथा पृथला से विधायक नयनपाल रावत ने बताया कि कार्पोरेशन का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। कोरोना काल के बावजूद भी वेयर हाउस की साल 2019-20 में 40 लाख रुपए से अधिक की आमदन हुई थी। जबकि वर्ष 2020-21 में 93 लाख रुपए का मुनाफा हुआ है। यानी 53 लाख रुपए मुनाफा ज्यादा हुआ। इसका कारण सरसों, दाल, सूरजमुखी और बाजरा की खरीद के साथ किराया बढ़ा है।

प्रदेश में होडल, जींद, भिवानी, रोहतक, पानीपत, फतेहाबाद सहित अनय जगहों पर नए गोदाम बनेंगे।

उन्होंने कहा कि वैसे तो गोदामों पर विभागीय कर्मचारियों की अनाज की निगरानी रहती है। इसके बावजूद भी कई जगह चोरी की घटनाएं घटित होती रही है, उन्हें रोकने के लिए कार्पोरेशन ने 111 सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है। इससे चोरी की घटनाएं भी कम होंगी और अनाज भी पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि वेयर हाउस में कर्मचारियों की कमी को पूरा करने का खाका भी तैयार कर लिया गया है। जल्द ही 90 कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही दो डीएम कार्यालयों में बढ़ोतरी की गई है। पहले 9 डीएम कार्यालय थे अब इनकी संख्या बढ़कर 11 हो जाएगी।

35 वर्ष बाद आया नहर में पानी

महात्मा गांधी स्वरोजगार योजना कार्य और रोजगार का बड़ा आधार बनी है। योजना में ग्रामीण मजदूरों को काम मिलने के साथ ही कई बड़े प्रोजेक्ट को पूरा किया गया। हिसार के गांव तलवंडी रुक्का में 35 साल पहले बंद हुई नहर को सफाई कर दोबारा शुरू किया गया।

गांव तलवंडी रुक्का में एक नहर 1976 में बनी, जो आस-पास रेतीले टीले की वजह से बंद हो गई। तलवंडी रुक्का और आस-पास के ग्रामीणों ने इस मामले को मामला 2018 में सीएम के संज्ञान में लाया गया। साल 2019 में नहर सफाई का कार्य मनरेगा स्कीम के तहत शुरु हुआ। जिसके बाद नहर में 35 साल बाद जलधारा बह रही है और नहर से 5 हजार 229 एकड़ जमीन को सिचाई के लिए पानी मिल रहा है।

नहर से न केवल किसानों व जमीदारों को फायदा हुआ बल्कि मनरेगा मजदूरों को कार्य मिला और खेतों को पानी मिलने से फसल भी अच्छी हुई। मनरेगा में नहर की सफाई में इक्कीस हजार 911 लेबर लगी। जिन्होंने 7.49 किलोमीटर लंबी नहर से 12.67 लाख क्यूबिक फीट मिट्टी निकाली। नहर की सफाई पर अनुमानित लागत 63 लाख 83 हजार 911 रुपए आई।

इसी प्रकार गांव खरखड़ी में बालसमंद सब ब्रांच नहर की सफाई करवाई गई। बालसमन्द सब ब्रांच से कई खंडों को पानी जाता है। नहर में पानी 2018 से जारी था। नहर की सफाई के लंबे समय से न हो पाने से किसानों को सूखे का सामना करना पड़ा। अब सफाई के बाद भरपूर मात्रा में हर खेतों को पानी मिल रहा है।

बालसमंद सब ब्रांच में 2018 से लगातार पानी आ रहा है। कारणवश नहर के किनारों और तलहटी में मिट्टी जमा होने से नहर पूरा पानी नहीं उठा पा रही थी। नहर लगातार भरी रहने के कारण इसके टूटने का डर भी बना रहता था। इसलिए दस दिन के भीतर मनरेगा योजना के अन्तर्गत नहर की सफाई कराई गई। नहर की सफाई से बरवाला, लोहारू, नलवा, आदमपुर, सिवानी और भिवानी ब्लॉक के ग्रामीणों को लाभ मिला है। नहर की सफाई पर मनरेगा में पचास लाख 95 हजार 19 रुपए लागत आई। आस-पास के 13 हजार 268 ग्रामीणों मनरेगा मजदूरों को काम मिला।

आम बजट में ग्रामीण विकास के कई क्षेत्रों में नई पहल की गई है। कोरोना काल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराने के लिए सरकार ने मनरेगा का सहारा लिया था। इसके लिए सरकार ने 50 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया था। आगामी वित्त वर्ष के लिए आम बजट में मनरेगा के लिए 71 हजार करोड़ रुपए आवंटित किये गए है।

जिससे ग्रामीण श्रमीकों को लाभ होगा।

हिसार जिला की मुख्यकार्यकारी अधिकारी शालिनी ने बताया कि जब से मनरेगा स्कीम के अन्दर और अन्य कार्यों को जोड़ा गया है। ग्रामीण मजदूरों को बड़े स्केल पर रोजगार उपलब्ध हुआ है। विभाग की आगामी योजना में शिक्षा विभाग के साथ मिलकर स्कूल बिल्डिंग की रिपेयर और बाउंडरी वाल का कार्य मनरेगा के तहत करवाया जाएगा। वही गांव में बायोगैस प्लांट बनाने कार्य और हॉर्टिकल्चर विभाग के साथ मिलकर ट्री प्लांट लगाने और उसकी देखरेख के लिए पंजीकृत मनरेगा मजदूरों को काम दिया जाएगा।

मनोज चौहान

कटेश्वर पहाड़ी के खेतों में टमाटर की खेती

भिवानी जिले का गांव खरकड़ी मकवान पहाड़ी के साथ बसा है। यहां काफी किसान टमाटर की खेती करते हैं। किसान राजकुमार भी टमाटर की खेती कर रहे हैं। उन्होंने फिलहाल 50 एकड़ जमीन में टमाटर की 2853 किस्म की खेती की है।

उन्होंने बताया कि टमाटर की ऐसी खेती है जिसमें किसान लागत से ज्यादा कमाई कर सकते हैं। अच्छी पैदावार के लिए कल्टीवेटर से पहले जमीन को तैयार करना होता है। उसके बाद बिजाई करते हैं। वे मानते हैं कि क्यारियां बनाकर टमाटर की बिजाई करने से पैदावार अच्छी रहती है। टमाटर की बिजाई में कम से कम 4 फुट की दूरी रखना जरूरी है। एक एकड़ में बिजाई के लिए चार थैली बीज डालना होता है।

वे मानते हैं की एक एकड़ में टमाटर तैयार करने के लिए 50 से 60 हजार रुपए खर्च आता है तब एक लाख रुपए की बचत होती है। फसल तैयार हो जाती है तो हर तीसरे दिन टमाटर को तोड़ना पड़ता है। अच्छे खेत में एक एकड़ में 1,100-1,200 के करीब कैरट टमाटर निकलते हैं।

उन्होंने बताया कि आस-पास कोई बड़ी मंडी ना होने के कारण टमाटर को जालंधर, लुधियाना, दिल्ली, चंडीगढ़ की मंडियों में बिक्री के लिए भेजना पड़ता है। साल में मात्र छह महीने ही टमाटर की खेती होती है। अगले छह महीने में जमीन की बुआई करवा कर उसे अच्छी पैदावार लेने के लिए या तो खाली छोड़ देते हैं या फिर अन्य फसल जैसे दाल, सरसों व कपास की बिजाई करते हैं।

राजकुमार ने बताया, कटेश्वर पहाड़ी की सीमा के साथ उनकी जमीन है। पहाड़ की तलहटी में सब्जियां अच्छी होती हैं क्योंकि वहां पर सर्दी का प्रकोप कम होता है व नहर का अच्छा पानी होने से पैदावार अच्छी होती है।

सुरेंद्र सिंह मलिक

चुकंदर के फायदे

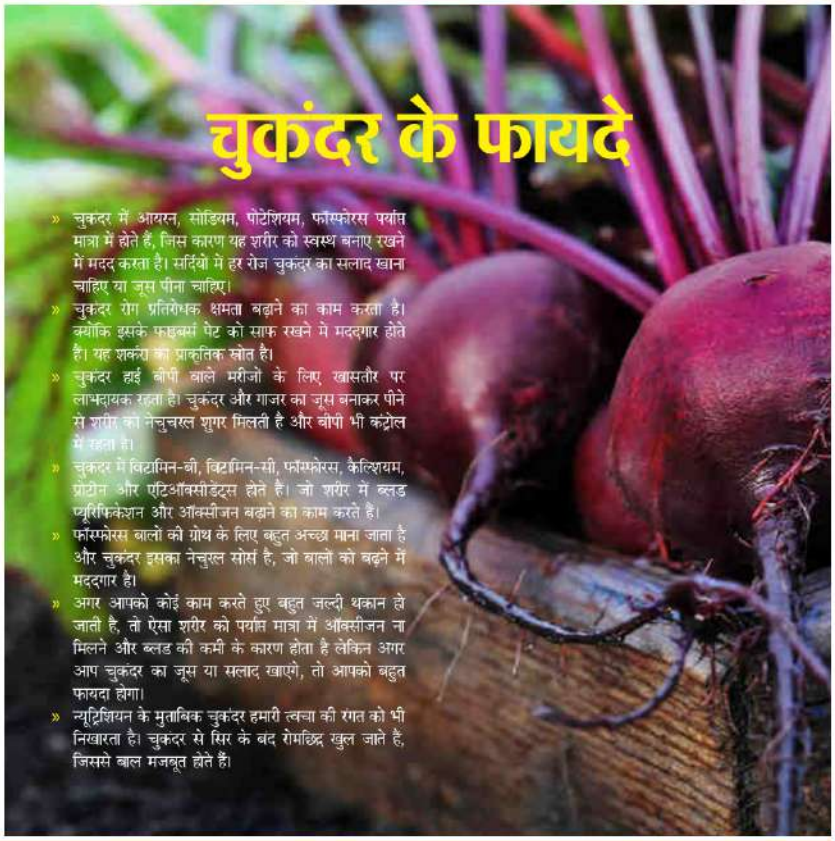

- चुकंदर में आयरन, सोडियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस पर्याप्त मात्रा में होते हैं, जिस कारण यह शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। सर्दियों में हर रोज चुकंदर का सलाद खाना चाहिए या जूस पीना चाहिए।
- चुकंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है। क्योंकि इसके फाइबर्स पेट को साफ रखने में मददगार होते हैं। यह शक्कर का प्राकृतिक स्रोत है।
- चुकंदर हाई बीपी वाले मरीजों के लिए खासतौर पर लाभदायक रहता है। चुकंदर और गाजर का जूस बनाकर पीने से शरीर को नेचुरल शुगर मिलती है और बीपी भी कंट्रोल में रहता है।
- चुकंदर में विटामिन-बी, विटामिन-सी, फॉस्फोरस, कैल्शियम, प्रोटीन और एंटिऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो शरीर में ब्लड प्यूरिफिकेशन और ऑक्सीजन बढ़ाने का काम करते हैं।
- फॉस्फोरस बालों की ग्रोथ के लिए बहुत अच्छा माना जाता है और चुकंदर इसका नेचुरल सोर्स है, जो बालों को बढ़ने में मददगार है।
- अगर आपको कोई काम करते हुए बहुत जल्दी थकान हो जाती है, तो ऐसा शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन ना मिलने और ब्लड की कमी के कारण होता है लेकिन अगर आप चुकंदर का जूस या सलाद खाएंगे, तो आपको बहुत फायदा होगा।
- न्यूट्रिशियन के मुताबिक चुकंदर हमारी त्वचा की रंगत को भी निखारता है। चुकंदर से सिर के बंद रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे बाल मजबूत होते हैं।

सरकार प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध करवाएगी। विभाग के महानिदेशक की ओर से प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा पुलिस ने कोहरे में कम विजिबिलिटी को देखते हुए सड़कों पर एक माह तक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत राज्य भर में 589 स्थानों पर 34,400 से अधिक छोटे-बड़े वाहनों पर रिफ्लेक्टर/रिफ्लेक्टव टेप लगाए गए।

गुणों की खान है अश्वगंधा

अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट, लीवर टॉनिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल के साथ-साथ और भी कई पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसे घी या दूध के साथ मिलाकर सेवन करने से वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।

अश्वगंधा के फायदे

» शोध के मुताबिक अश्वगंधा कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और कैंसर के नए सेल्स नहीं बनने देता। कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरपी से होने वाले साइड इफेक्ट्स से भी बचाने का काम करता है।

» अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है। जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

» अश्वगंधा सफेद रक्त कणिका व लाल रक्त कणिका दोनों को बढ़ाने का काम करता है। जो कई गंभीर शारीरिक व्याधियों में लाभदायक है।

» अश्वगंधा मानसिक तनाव जैसी परेशानी को ठीक करने में लाभदायक है। एक रिपोर्ट के अनुसार तनाव को 70 फीसदी तक अश्वगंधा के इस्तेमाल से कम किया जा सकता है। यह दरअसल शारीरिक व मानसिक संतुलन को ठीक रखने में असरकारी है। इससे अच्छी नींद आती है।

» अश्वगंधा का इस्तेमाल आंखों की रोशनी को बढ़ाने का काम करता है।

अश्वगंधा चूर्ण खाने का तरीका बहुत आसान है। पानी, शहद या फिर घी में मिलाकर अश्वगंधा चूर्ण का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा, अश्वगंधा कैप्सूल, अश्वगंधा चाय और अश्वगंधा का रस भी मार्केट से मिल जाता है।

इसका सेवन कब करें

रात में सोने से पहले दूध के साथ इसका सेवन फायदेमंद रहता है। इसके अलावा इसे खाना खाने के बाद भी लिया जा सकता है। कई लोग खाली पेट भी इसका सेवन करते हैं लेकिन कुछ लोगों को खाली पेट अश्वगंधा नुकसान करता है। बेहतर होगा आयुर्वेदिक डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सेवन किया जाए।

अश्वगंधा के नुकसान

» रक्तचाप से ग्रस्त लोगों को अश्वगंधा डॉक्टर के परामर्श से ही लेना चाहिए। जिनका बीपी लो होता है उन्हे अश्वगंधा का सेवन नहीं करना चाहिए।

» अश्वगंधा का अधिक इस्तेमाल पेट के लिए हानिकारक हो सकता है।

डा. हरीपाल आयुर्वेदाचार्य

मधु (शहद) ही अमृत है

अनेक गुणकारी वस्तुएं हैं जिन्हें हम अमृत नाम दे सकते हैं। जैसे मधु (शहद) जीवन में सबको अमृतपान करा देता है। यह आबाल, वृद्ध, सभी आयु वर्ग के लिए समान रूप से सुपाच्य और शक्तिवर्धक है। स्वास्थ्यप्रद होने से मधु में रोग निवारण शक्ति भी विद्यमान है। इसी कारण आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में मधु को विशेष स्थान दिया गया है।

शहद का रंग-रूप और गंध भी आकर्षक है। इसमें शक्तिप्रद शर्करा, अतिरिक्त लोहा, तांबा, डाक्टरों के मतानुसार फास्फोरस, पोटाशियम, कैल्शियम सहित अनेक खनिज तत्वों, प्रोटीन तथा विटामिन बी एवं सी सहित कुछ अन्य विटामिनों का ऐसा विशिष्ट अनुपात डाल दिया कि विज्ञान का दम भरने वाले वैज्ञानिकों के लिए ऐसा खाद्य पदार्थ बनाना असंभव नहीं तो सहज भी नहीं है। यह कौशल परमात्मा ने विशेष रूप से मधुमक्खियों को ही प्रदान किया है। इन्ही नन्ही-नन्ही मधुमक्खियों द्वारा सहस्रों फूलों का रस चूसकर प्राणिमात्र के लिए कल्याणकारी औषध मधु व शहद के रूप में तैयार कर डाली। निःसन्देह मधु परमात्मा की अनमोल निधि है।

शहद के अद्भुत गुण जान लेने के बाद मनुष्य ने प्रकृति के साथ मिलकर शहद की उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में कार्य किया और वर्तमान में बाक्स टाइप छत्तों में मधुमक्खियां पालकर शहद प्राप्त किया जाने लगा है। इन बाक्सों को नर्सरी अथवा फूल से युक्त फसलों के मध्य रखकर अधिक मात्रा में शहद प्राप्त किया जा सकता है। इन बक्सों में एकत्रित शहद की यह विशेषता होती है कि आस-पास जैसे पराग कण होते है वैसे ही स्वाद का शहद एकत्र होता है।

शुद्ध मधु की पहचान

अन्य वस्तुओं के समान मधु के अंदर भी अन्य वस्तुओं का मिलाव बहुत होने लगा है। नगरों में असली मधु की प्राप्ति होती ही नहीं। मधु में लोग चीनी, गुड़, मैदा आदि पदार्थ और अरारोट आदि वस्तुओं को मिला देते हैं। बनावटी शहद तो केवल गुड़ या चीनी के शीरे में नींम्बू का सत्व मिलाकर बनाया जाता है।

» मधु में रुई की बत्ती भिगोकर उसे जलाने से वह बत्ती घी और तेल की बत्ती के समान जलती है।

» सामान्य मक्खी को पकड़कर उसे शहद में डुबो दीजिये। न वह मक्खी मरेगी और न ही डूबेगी - लेकिन कुछ देर बाद तैरती हुई ऊपर आ जायेगी और उड़ जायेगी।

» चौथी परीक्षा मधु की उसकी गंध, रूप और स्वाद से की जाती है किन्तु यह सब परीक्षायें पूर्ण और पर्याप्त नहीं हैं।

स्वामी ओमानन्द सरस्वती

खिलाड़ियों का गांव आसन कलां

पानीपत से असंध रोड पर बसा है आसन कलां गांव। गांव के नजदीक थर्मल पावर स्टेशन है। गांव में 24 घंटे बिजली रहती है। रात के वक्त गांव दूधिया रोशनी से जगमगा उठता है।

गांव का नामकरण बाबा आसनाथ के नाम से हुआ बताया जाता है। बड़े बुजुर्ग बताते हैं थर्मल स्टेशन के पास करीब अढ़ाई सौ वर्ष पुराना एक शिव मंदिर है। प्राचीन काल में बाबा आसनाथ ने इस स्थान पर डेरा डाला था। तब से गांव आसन कहलाने लगा। गांव आसनकलां व आसनखुर्द दो भागों में बंटा है। यहां के 70 प्रतिशत परिवार खेती करते हैं। करीब सात हजार आबादी वाले इस गांव में तीन हजार से अधिक वोट हैं।

गांव में एक गुरुद्वारा है। बताते हैं 1947 के बाद सिख समुदाय ने इसका निर्माण कराया था। आसन गांव में बारहवीं व आठवीं तक के दो राजकीय स्कूल हैं। मिडल स्कूल लड़कियों का है।

आसन गांव की पहचान वॉलीबॉल और हैंडबॉल के खिलाड़ियों से भी होती है। गांव की बेटी निर्मल तंवर भारतीय वॉलीबॉल टीम की कप्तान है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मैच खेले हैं। छात्राओं में खेल के प्रति रुझान की वजह सरकारी स्कूल में शारीरिक शिक्षा विषय के अध्यापक जगदीश हैं जिन्होंने काफी मेहनत की है। मोनिका, रेखा, शबाना, पंकज और कोमल वॉलीबॉल की नेशनल खिलाड़ी हैं। हैंडबाल में गांव के युवक पसीना बहा रहे हैं। प्रदीप हैंडबॉल में इंटरनेशनल खेल चुके हैं और अनिल, दीपक, राहुल, अर्जुन और पवन नेशनल खेल चुके हैं।

आसन गांव की राजनीतिक और सैनिक सेवा में भी अहम भूमिका है। सैनिक गोवर्धन शर्मा 1999 में भारत-पाकिस्तान के बीच चले युद्ध में शहीद हुए थे। राजनीति की अगर बात करें तो प्रेम चंद्र अग्रवाल उत्तराखंड विधानसभा के मौजूदा स्पीकर हैं। अग्रवाल का जन्म इसी गांव में हुआ। उन्होंने अपनी कर्मभूमि उत्तराखंड बनाई।

आधुनिकता का प्रभाव गांव पर देखा जा सकता है। इसकी मुख्य वजह गांव का शहर के नजदीक होना भी है। शाम के वक्त बर्गर गोलगप्पे और छोल्ले-टिक्की की स्टाल शहर जैसी अनुभूति देते हैं। पंचायत द्वारा गांव में विकास कार्य हुए हैं।

सरपंच सोनू अनेजा ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में

रखते हुए सीसीटीवी कैमरे गली-गली लगवाए गए हैं। दो चौकीदार, सात सफाई कर्मचारी और एक योगा टीचर को गांव में रोजगार मिला है। सामुदायिक केंद्र बनवाए हैं। गत दो साल में 200 परिवारों को मनरेगा योजना में काम मिला है। 18 गरीब परिवारों के कैटल शेड बनवाए हैं।

मनोज चौहान

आओ चलें 48 कोस

शालिहोत्र मुनि से संबंधित है सारसा गांव

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, कुरुक्षेत्र द्वारा 48 कोस भूमि के तीर्थों के जीर्णोद्धार का कार्य लगातार जारी है। ताकि महाभारत लैंड बड़े टूरिज्म हब के रुप में विकसित हो। सारसा गांव स्थित शालिहोत्र तीर्थ 48 कोस भूमि में आता है। शालिहोत्र नामक यह तीर्थ कुरुक्षेत्र से लगभग 24 किलोमीटर की दूरी पर सारसा नामक गांव में स्थित है। इस तीर्थ का नाम शालिहोत्र मुनि से सम्बन्धित होने के कारण शालिहोत्र पड़ा तथा गांव का नाम सारसा होने का प्रमुख कारण, इस स्थान पर धर्मयक्ष ने सारस पक्षी का रूप धारण करके धर्मराज युधिष्ठिर से कई प्रश्न किये थे। युधिष्ठिर के उत्तरों से प्रसन्न होकर यक्ष ने उनके चारों भाईयों को जीवन दान दिया था।

एक अन्य लौकिक कथा के अनुसार इस तीर्थ का सम्बन्ध हैहय वंशी राजा सहस्त्रबाहु से है जो कि भगवान विष्णु के अवतार परशुराम के समकालीन रहे। पौराणिक आख्यानों के अनुसार परशुराम ने सहस्त्रबाहु को मारकर अन्यायी राजाओं के विरुद्ध अपना अभियान यहीं से शुरु किया। ग्रामीणों के अनुसार गांव का नाम सारसा इन्ही सहस्त्रबाहु के नाम पर पड़ा। वैसे कई मान्यताएं ऐसे भी है जो साबित करती है कि गांव का नाम सारस पक्षी से पड़ा है। तीर्थ सरोवर में आज भी सारस पक्षियों के झुण्ड देखने को मिलते हैं।

महाभारत के दाक्षिणात्य पाठ के आदि पर्व में शालिहोत्र मुनि का वर्णन है। इन्होंने अपने आश्रम में अपने तपो बल से एक दिव्य सरोवर और पवित्र वृक्ष का निर्माण किया था। उस सरोवर का जल मात्र पी लेने से ही मनुष्य के सब दुःख और समस्याएँ दूर हो जाती है। यह भी उल्लेख मिलता है पाण्डव हिडिम्बा (भीम की पत्नी) के साथ इस आश्रम में आए थे। तथा शालिहोत्र मुनि ने पाण्वों को भोजन खिलाकर उनकी भूख को शान्त किया।

शालिहोत्रस्य तीर्थे च शालिसूर्य यथाविधि। सनात्वा नरवरश्रेष्ठ गोसहस्र लभेत्।

अर्थात शालिहोत्र के शालिसूर्य नामक तीर्थ में स्नान करने पर मनुष्य को सहस्र गऊओं के दान का फल मिलता है।

तीर्थ सरोवर के चारों और लखौरी ईंटों से निर्मित घाट है। तीर्थ स्थित मंदिर के गर्भ गृह में शिवलिंग के साथ-साथ 9वीं,10वीं शती की एक विष्णु प्रतिमा भी स्थापित है।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा ''ई-अध्ययन'' सेल्फ लर्निंग कोर्सवेयर फॉर डिजिटल टीचिंग ऑफ टीओटी इन हरियाणा' नामक पायलट परियोजना' 15 से 26 फरवरी के लिए शुरू की गई है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा आयोजित की जाने वाली सैकेंडरी एवं सीनियर सैकेंडरी कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं 20 अप्रैल से प्रारम्भ होकर 31 मई 2021 तक चलेंगी। परिणाम जुलाई के प्रथम सप्ताह में घोषित किए जाएंगे।

स्विट्जरलैंड की मदद से रोजगार की संभावनाएं

संगीता शर्मा

हरियाणा और स्विट्जरलैंड ने शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आदान प्रदान की संभावनाएं तलाशने के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण, पर्यटन और डेयरी क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए सहमति जताई है। इससे स्विट्जरलैंड और भारत विशेषकर हरियाणा के द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूती मिलेगी। भारत में स्विट्जरलैंड के राजदूत, डॉ राल्फ हेकनर ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। डॉ राल्फ हेकनर ने उद्यमियों को अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और हरियाणा में और अधिक निवेश करने के लिए गहरी रुचि दिखाई।

डॉ. राल्फ हेकनर ने कहा कि हरियाणा भारत के उन पांच राज्यों में से एक है जहां नेस्ले सहित स्विस कंपनियों ने अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि स्विस कंपनियों का भारत के कुल कारोबार का दस फीसदी कारोबार हरियाणा में है और आने वाले समय में हरियाणा में अपने कारोबार का और विस्तार करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्विट्जरलैंड ने कौशल शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, उसी प्रकार राज्य के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हरियाणा के शैक्षणिक संस्थानों और स्विट्जरलैंड के बीच समझौते करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कई होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट हैं और इसी तरह होटल उद्योग में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए भी संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

'हरखादी' ब्रांड

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उत्पादों को 'हरखादी' ब्रांड के नाम से अधिक से अधिक प्रमोट करेगी ताकि इस बोर्ड के गुणवत्तापरक उत्पादों की देश-विदेश में मार्केटिंग की जा सके, इससे ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबी बनने का अवसर भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की सोच है कि बड़े शहरों में भी हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उत्पादों की शॉप खोली जाएं। खादी द्वारा निर्मित रजाई, बेड शीट, शहद और खादी के बैग की विशेष मांग रहती है।

खादी से 'आत्मनिर्भर'

हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से ग्रामीण पढ़े-लिखे युवाओं को लघु उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस बारे में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों के साथ मंथन किया। इस अवसर पर हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन एवं विधायक रामनिवास भी उपस्थित थे। श्री चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि वे 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को साकार रूप देने में अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण युवाओं को लघु उद्योग लगाने के लिए हर संभव मदद करें।

स्विस कंपनियों में रोजगार

- हरियाणा को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निकट होने का लाभ मिला है।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) रैंकिंग के मामले में भी राज्य ने अच्छा प्रदर्शन किया है और ईओडीबी में भी यह देश के कई अन्य राज्यों से आगे है।
- राज्य सरकार हरियाणा में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने हेतु उद्योगों के लिए सस्ती दरों पर बिजली मुहैया करवाने सहित पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं प्रदान कर रही है।
- राज्य सरकार ने भूमि आवंटन और बिल्डिंग प्लान को मंजूरी देने में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।
- वर्तमान में 34 स्विस कंपनियों ने अपनी व्यवसायिक इकाईयां स्थापित की हैं, जिनमें लगभग 16,600 लोगों को रोजगार प्रदान किया है।
- 8.5 मिलियन की आबादी वाला स्विट्जरलैंड भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक है।
- देश के सबसे बड़े खाद्यान्न और दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक होने के अलावा, हरियाणा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष ज़ोर दे रहा है ताकि उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके।
- देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय जिला पलवल के गांव दुधोला में स्थापित किया गया है।
- पिछले छह वर्षों के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है ताकि राज्य के लोगों को विभिन्न सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

ज्योतिसर तीर्थ पर भगवान श्रीकृष्ण के 'विराट दर्शन'

महाभारत के हर पात्र से श्रद्धालु जुड़ें इसके लिए कुरुक्षेत्र स्थित तीर्थों पर प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है। भीष्म, अर्जुन और अभिमन्यु की प्रतिमाएं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा लगाए जा रही हैं,जल्द ही ज्योतिसर तीर्थ पर भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप की प्रतिमा लगेगी।

इस योजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। इनको बकायदा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले राम सुतार से बनवाया गया है। नरकातारी स्थित भीष्म कुंड में भीष्म और अर्जुन का स्टैच्यू लगेगा। इसमें भीष्म का 10 फीट और अर्जुन का नौ फीट का स्टैच्यू होगा। इस पर 34 लाख रुपए की लागत आएगी। महाभारत के युद्ध में बाणों से घायल भीष्म पितामह को अर्जुन ने अपने बाण से धरती से गंगा को प्रकट कर अंतिम समय में भीष्म की प्यास बुझाई थी। भीष्म ने कौरवों द्वारा पात्रों में पवित्र जल लाने पर जल पीने को अस्वीकार कर दिया था। गांव अभिमन्युपुर में अदिति तीर्थ पर अभिमन्यु का स्टैच्यू लगना है जिसकी ऊंचाई 19 फीट होगी। इस पर लागत 24 लाख रुपए आएगी।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि मूर्तियां बनकर तैयार हैं और तीर्थ स्थलों पर जहां लगानी हैं पहुंच चुकी हैं। मूर्तियों को लगाने का कार्य तेज गति से चल रहा है। आगामी गीता महोत्सव पर ये आकर्षण का केंद्र रहेंगी। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य कुरुक्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में स्थापित करना है। महाभारत भूमि के तहत 148 तीर्थ आते हैं, जिन पर विकास कार्य तेजी से चल रहा है। खासतौर पर ज्योतिसर तीर्थ जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था।

यहां पर श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को स्थापित किया जाएगा। इसके लिए टूरिज्म की ओर से प्राइम लोकेशन को चिह्नित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर 10 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति स्थापित होने से अधिक संख्या में यात्रियों की आवाजाही बढ़ेगी। लिहाजा हरियाणा टूरिज्म का प्रयास है कि इस वर्ष के मध्य तक इसे स्थापित कर दिया जाए।

भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार बना रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि जून माह में इसको गीता स्थली में स्थापित कर दिया जाएगा। प्रतिमा जहां 40 फुट ऊंची बनाई है, वहीं दस फुट का इसका नीचे बेस होगा। विराट स्वरूप को भव्य बनाने के लिए चारों ओर रंग-बिरंगी लाइटें लगाई जाएंगी।

भगवान श्रीकृष्ण ने ज्योतिसर से पूरे विश्व को गीता का संदेश दिया था। आज भी मानव जाति के लिए गीता प्रेरणादायी व मार्गदर्शक है। यहां पर भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को स्थापित किया जाएगा। मूर्ति बनकर तैयार हो चुकी है। मूर्ति को बेहतरीन लोकेशन पर स्थापित किया जाएगा ताकि गीता स्थली पर आने वाले हर श्रद्धालु व पर्यटक को विराट स्वरूप के सहजता के साथ दर्शन होंगे। विराट स्वरूप पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र तो रहेगा साथ ही उन्हें गीता के संदेश के बारे में भी प्रेरित करे, इसको लेकर भी योजना तैयार की जा रही है।

आरएस वर्मा, प्रबंधक निदेशक,
हरियाणा पर्यटन

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने उत्तराखंड त्रासदी कोष में अपने स्वैच्छिक कोष से 11 करोड़ रुपए दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि संकट की इस घड़ी में हरियाणा सरकार, देवभूमि उत्तराखंड के साथ खड़ी है।

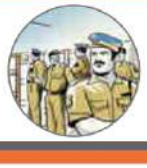

नगर परिषद, नारनौल की 48 बीघा एक बिस्वा भूमि पुलिस विभाग को वर्तमान कलेक्टर रेट 55 लाख रुपए प्रति एकड़ जमा विकास शुल्क 120 रुपए प्रति वर्गगज की दर से स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी हुई है।

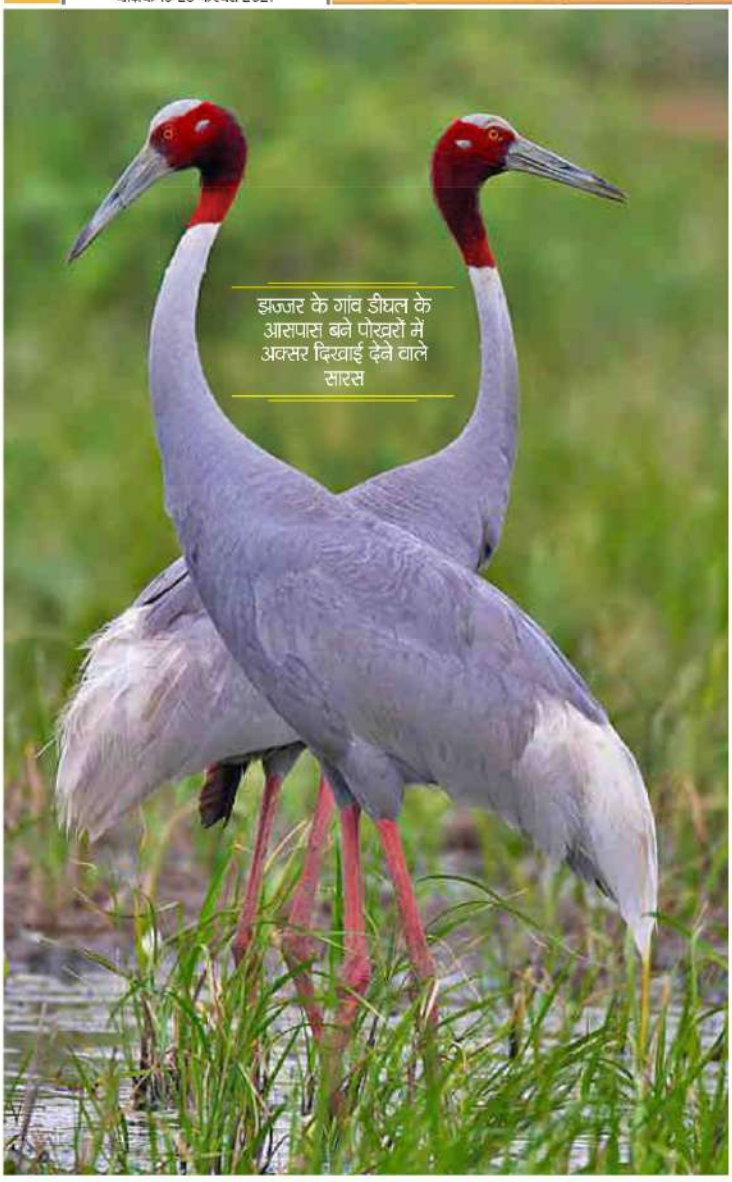

झज्जर के गांव डीघल के आसपास बने पोखरों में अक्सर दिखाई देने वाले सारस

'वीर विक्रमाजीत' में दिखी नारी की महत्ता

हरियाणा कला परिषद् द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन संध्या में करनाल के प्रसिद्ध सांगी विष्णु पहलवान द्वारा पंडित मांगेराम का लिखा सांग वीर विक्रमाजीत प्रस्तुत किया गया।

कलाकारों ने दिखाया गया कि राजा विक्रमाजीत उज्जैन में राज कर रहे हैं और उनके राज्य में देवलोक से परमहंस पहुंच जाते है। विक्रमाजीत के पूछने पर परमहंस बताते हैं कि उनकी हंसनी को इंद्रदेव ने कैद कर लिया है और उन्हें 12 वर्षों के लिए देवलोक से निकाल दिया है। वीर विक्रमाजीत हंसों की पीड़ा से दुखी हो जाते हैं और हंसों की हंसनी को इंद्र की कैद से छुड़ाने के लिए निकल पड़ते हैं। जहां उनकी मुलाकात रानी रत्नकौर से होती है। रानी रत्नकौर एक गम्भीर बीमारी से ग्रस्त होती हैं। रानी रत्नकौर के पिता एलान करवाते हैं कि जो भी व्यक्ति रत्नकौर की बीमारी को दूर करेगा, उसके साथ रत्नकौर का विवाह कर दिया जाएगा। राजा वि माजीत रानी रत्नकौर की बिमारी का इलाज ढूंढ लेते हैं और उसे रोगमुक्त कर देते हैं। ऐसे में रानी रत्नकौर राजा से विवाह कर लेती है और राजा के साथ हंसनी को ढूंढने निकल पड़ती है। मार्ग में राजा एक शहर में पहुंचते है जहां एक राजपूत की लड़की खांडेराव रहती है। खांडेराव राजा वि माजीत पर आसक्त हो जाती है और अपने पिता द्वारा रखी हुई शर्तों को राजा के सामने रखती हैं। रत्नकौर राजा को शर्तें मानने से मना करती हैं, किंतु खांडेराव की स्थिति को देखकर विक्रमाजीत को सभी शर्तें मानते हुए खांडेराव से विवाह करने के लिए कहती हैं। राजा खांडेराव के पिता की शर्तें मान लेता है और खांडेराव से विवाह कर लेता है। राजा विक्रमाजीत दोनों रानियों को उज्जैन जाने के लिए कहते हैं और स्वयं हंसनी ढूंढने के लिए जाना चाहते हैं। लेकिन दोनों रानियां राजपाट को छोड़कर राजा की हंसनी को ढूंढने में मदद करती हैं। इस प्रकार राजा दोनों रानियों को लेकर हंसनी को इंद्र की कैद से छुड़ा लाता है।

सांग में हरियाणवी संस्कृति की झलक दिखाते हुए कलाकारों ने नारी की महत्ता को दिखाया। सांग मंचन में बलदेवराज, राजेश कुमार, पवन कुमार, शीशपाल, बलवीर, विक्रम, पालेराम, रमेश कुमार, काला तथा कृष्ण कुमार व अन्य कलाकारों ने अपने अभिनय का परिचय दिया।

हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने कहा कि लोक कलाकार सदैव प्रदेश की संस्कृति को ऊंचा उठाने में पूरजोर मेहनत करते हैं। हरियाणवी लोक कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हरियाणावासियों को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए तथा लोक कलाकारों को सहयोग देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए प्राचीन संस्कृति को सहेजना चाहिए।

संवाद ब्यूरो

ऋतुओं का राजा 'वसंत'

वसंत ऋतु के आगमन का हर एक व्यक्ति बेसब्री से इंतजार करता है। इस समय पंचतत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। अग्नि, जल, वायु आकाश और धरती अपना मोहक रूप दिखाते हैं। ठंड से ठिठुरे पंछी उड़ने की तैयारी करते हैं। किसान लहलहाती फसलों को देखकर खुशी से झूमता है। वृद्ध सूरज की कोमल रोशनी से शरीर की जकड़न खोलता है। यानी प्रकृति की असीम छटा देख हर हर वर्ग उन्मादी हो जाता है। और हो भी क्यों न, प्रकृति का यौवन जो खिलता है।

राष्ट्र कवि रामधारी दिनकर भी वसंत प्रेम से अछूते नहीं रहे -

हां ! वसंत की सरस घड़ी है ,
जी करता मैं भी कुछ गाऊं ;
कवि हूं ,आज प्रकृति-पूजन में निज
कविता के दीप जलाऊं ।
उफ ! वसंत या मदनबाण है?
वन-वन रूप ज्वार आया है ,
सिहर रही वसुधा रह-रहकर, यौवन में उभार आया है ।

हिन्दू पंचाग के अनुसार वसंत ऋतु का आगमन हर वर्ष माघ महीने की शुक्ल पंचमी को होता है। यानी फरवरी मास के द्वितीय पक्ष या मार्च महीने के प्रथम पक्ष में पड़ती है। वसंत में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पेड़ों पर नए पत्तों की कपोलें फूट पड़ती हैं और खेत सरसों के फूलों से पीले दिखाई देते है। ऐसा लगता है मानो प्रकृति ने हरियाली और खूबसूरत फूलों से अपना शृंगार किया हो। पक्षियों का चहचहाना और खासकर कोयल की कूक भी इस मौसम की खास विशेषता है। इन्हीं मनमोहक दृश्यों के कारण वसंत को ऋतुराज अर्थात ऋतुओं का राजा माना जाता है।

वैसे वसंत का आगमन ही त्यौहारों के साथ होता है। सरस्वती पूजन से शुरू हुआ वसंतोत्सव शिवरात्री पर शिव की स्तुति एवं रंगों के त्यौहार होली से अपने चरम पर होता है। होली वैसे तो मार्च में मनाई जाती है किंतु इसका उत्साह लोगों में काफी पहले से देखने को मिलता है। इसके अलावा नवरात्रे पर मां दुर्गा उत्सव तो दूसरी तरफ रामनवमी, हनुमान जयंती मनाई जाती है। भारतीय संगीत कला में भी वसंत को अहम स्थान दिया गया है। संगीत में एक विशेष राग वसंत के नाम पर मनाया गया है। जिसे राग वसंत कहते हैं।

वसंत का असली आनंद प्रकृति की गोद में ही उठाया जा सकता है। रंग बिरंगे पुष्पों से लदे वृक्ष, शीतल एवं मंद-मंद बहती वायु, प्रकृति मानो पूरी बहार में होती है। इससे व्यक्ति अपने-आप सहज ही ध्यानावस्था में पहुंच जाता है। सुंदर वसंत ऋतु में आयुर्वेद ने खान-पान में संयम की बात कही है। जिस प्रकार पानी अग्नि को बुझा देता है वैसे ही वसंत ऋतु में पिघला हुआ कफ जठराग्नी को मंद कर देता है। इसलिए वसंत में भुने हुए चने, ताजी हल्दी, ताजी मूली, अदरक, पुरानी जौ, पुराने गेहूं से बनी चीजें खाने के लिए कहा गया है।

अतः वसंत ऋतु मानव को यह संदेश देती है कि दुःख के बाद एक दिन सुख का भी जीवन में आगमन होता है। जिस प्रकार परिवर्तनशील प्रकृति का नियम है, उसी प्रकार जीवन में भी परिवर्तनशीलता का नियम लागू होता है।

चंचल पग दीपशिखा के घर,
गृह मृग वन में आया वसंत
सुलगा फागुन का सूनापन,
सौन्दर्य शिराओं में अनंत।
सौरभ की शीतल ज्वाला से,
फैला उर-उर में मधुर दाह
आया वसंत भर पृथ्वी पर,
स्वर्गिक सुन्दरता का प्रवाह।

सुमित्रा नंदन पन्त

वसंत गीत

ओ मृगनैनी, ओ पिक बैनी,
तेरे सामने बाँसुरिया झूठी है!
रग-रग में इतना रंग भरा,
कि रंगीन चुनरिया झूठी है!
मुख भी तेरा इतना गोरा,
बिना चाँद का है पूनम!
है परस-परस इतना शीतल,
शरीर नहीं है शबनम!
अलकें-पलकें इतनी काली,
घनश्याम बदरिया झूठी है!
रग-रग में इतना रंग भरा,
कि रंगीन चुनरिया झूठी है!
क्या होड़ करें चन्दा तेरी,
काली सूरत धब्बे वाली!
कहने को जग को भला-बुरा,
तू हँसती और लजाती!
मौसम सच्च तू सच्ची है,
यह सकल बदरिया झूठी है!
रग-रग में इतना रंग भरा,
कि रंगीन चुनरिया झूठी है!

गोपाल सिंह नेपाली

अमित कुमार अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com